

# PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD Middle School Teacher Eligibility Test - 2018 7th Mar 2019 09:30 AM

Tonic: Child Davolanment & Padagagy (CDP)
Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)
1) Identical Twins have / समरूप जुड़वां (आइडेंटिकल द्वीन्स)  1. developed out of two ova / दो अंडों से विकसित होते हैं।  2. no identical heredity / कोई भी समरूप आनुवंशिकता नहीं होती है।  3. common heredity / में समान आनुवंशिकता होती है।  4. usually no resemblance to each other/ आम तौर पर एक दूसरे से कोई समानता नहीं है।
Correct Answer :-
• common heredity / में समान आनुवंशिकता होती है।
2) Masculinity and femininity are typically linked to / पुरुषत्व और स्त्रीत्व आम तौर पर से जुड़े होते हैं।  1. Sexism / लिंगभेद  2. Sex / लिंग  3. Gender / लिंग  4. Patriarchy / पितृतन्त
Correct Answer :-
• Gender / लिंग

3. Hypothesis/ प्रकल्पना
4. Observation/ अवलोकन
Correct Answer :-
• Conclusion/ निष्कर्ष
4) Judgment should come through a systematic analysis and evaluation. This is known as / निर्णय एक व्यवस्थित विश्लेषण और मूल्यांकन के माध्यम से होना चाहिए। इसे रूप में जाना जाता है।
1. Critical thinking / गहन चिंतन
2. Insightful thinking / अंतर्दष्टिपूर्ण चिंतन
3. Emotional thinking / भावनात्मक चिंतन
4. Divergent thinking / अपसारी चिंतन
Correct Answer :-
• Critical thinking / गहन चिंतन
5) The average attention span of a high school student is: / एक हाई स्कूल के छात्र की औसत ध्यान अवधि कितनी होती है:
1. 32-40min/ 32-40 मिनट
2. 25-30min/ 25-30 मिनट
3. 10-12min / 10-12 ਸਿਜਟ
4. 15-20 min/ 15-20 मिनट
Correct Answer :-
• 10-12min / 10-12 मिनट
6) When is the best time to reinforce behavior? / व्यवहार को पुनर्बलित करने का सबसे अच्छा समय कब है?
6) When is the best time to reinforce behavior? / व्यवहार को पुनर्बलित करने का सबसे अच्छा समय कब है?  1. Long before the behavior occurs / व्यवहार होने से बहुत समय पहले
समय कब है?
समय कब है? 1. Long before the behavior occurs / व्यवहार होने से बहुत समय पहले
समय कब है?  1. Long before the behavior occurs / व्यवहार होने से बहुत समय पहले  2. Long after the behavior occurs / व्यवहार होने के लंबे समय बाद

- Shortly after the behavior occurs / व्यवहार होने से कुछ समय बाद 7) When a pleasant stimulus is added to increase the incidence of a behavior, it is known as: / जब एक व्यवहार की घटनाओं को बढ़ाने के लिए एक सुखद उद्दीपक को जोड़ा जाता है, तो इसे रूप में जाना जाता है। 1. Positive punishment / सकारात्मक दण्ड 2. Positive reinforcement / सकारात्मक पुनर्बलन 3. Negative punishment / नकारात्मक दण्ड 4. Negative reinforcement / नकारात्मक पुनर्बलन **Correct Answer:-**• Positive reinforcement / सकारात्मक पुनर्बलन 8) Unless the typist, in order to learn typing prepares himself to start, he would not make much progress in a lethargic and unprepared manner. Who proposed this learning theory which believes in the 'Law of Readiness'? / जब तक टाइपिस्ट, टाइपिंग अधिगम के लिए खुद को शुरू करने के लिए तैयार नहीं करता है, तब तक वह एक सुस्त और अनपेक्षित तरीके से बहुत प्रगति नहीं करेगा। इस अधिगम सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया जो 'तत्परता के नियम' में विश्वास करता है? 1. Jean Piaget / जीन पियाजे 2. Edward Thorndike / एडवर्ड थार्नडाइक 3. Wolfgang Kohler / वोल्फगैंग कोहलर 4. Ian Pavlov / इवान पावलोव **Correct Answer:-**• Edward Thorndike / एडवर्ड थार्नडाइक 9) One way to involve all students in the class, so that no one feels left out is by: / कक्षा में सभी छात्रों को शामिल करने का एक तरीका निम्न है, ताकि कोई भी ऐसा महसूस न करे कि उसे छोड दिया गया है:
- 1. Punishing the non-performing students / गैर-प्रदर्शन करने वाले छात्रों को दंड देना
- 2. Changing the seating arrangements / बैठने की व्यवस्था को बदलना
- 3. Ignore the uninvolved students / बिना शामिल होने वाले छात्रों की उपेक्षा करना
- 4. Send the uninvolved students out of the class / बिना शामिल होने वाले छात्रों को कक्षा से बाहर भेज देना

Correct Answer :-
• Changing the seating arrangements / बैठने की व्यवस्था को बदलना
10) During a guidance service the help that a client receives is for: / एक मार्गदर्शन सेवा के दौरान, वह मदद जो एक ग्राहक को इसके लिए मिलती है:
1. giving solutions/ समाधान करने
2. making decisions on behalf of the client/ ग्राहक की ओर से निर्णय लेने
3. impose opinions/ राय थोपने
4. focus on setting goals and problem solving/ लक्ष्य निर्धारण और समस्या समाधान पर ध्यान देने
Correct Answer :-
• focus on setting goals and problem solving/ लक्ष्य निर्धारण और समस्या समाधान पर ध्यान देने
11) During development, a major prerequisite for learning is: / विकास के दौरान, अधिगम के लिए एक प्रमुख शर्त है:
1. Maturation / परिपक्वता
2. Encouragement / प्रोत्साहन
3. Guidance / निर्देशन
4. Financial help / वित्तीय सहायता
Correct Answer :-
• Maturation / परिपक्वता
12) Over protectiveness of parents leads to in the child. / माता-पिता की अत्यधिक सुरक्षात्मकता बच्चे को की ओर ले जाती है।
1. Confidence / आत्मविश्वास
2. Dependence / निर्भरता
3. Ego strength / अहंकार शक्ति
4. Level of aspiration / आकांक्षा के स्तर
Correct Answer :-
• Dependence / निर्भरता
13)

# Which of the following is a characteristic of the project method? / निम्नलिखित में से कौन-सी एक प्रोजेक्ट विधि की विशेषता है?

- 1. A voluntary undertaking / एक स्वैच्छिक व्यवसाय है।
- 2. Carried in its natural setting / अपनी प्राकृतिक सेटिंग में की जाती है।
- 3. Problematic act / समस्यात्मक कार्य।
- 4. Used for all round development of child's personality / छात्र के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोग की जाती है।

#### **Correct Answer:-**

• Used for all round development of child's personality / छात्र के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोग की जाती है।

# 14) Which one of the following is a principle of counselling/ निम्नलिखित में से क्या परामर्श का एक सिद्धांत है?

- 1. Diagnosis of external appearances. / बाहरी दिखावे का निदान।
- 2. Acceptance and understanding of individuals. / व्यक्तियों की स्वीकृति और समझ।
- 3. Flexibility of program according to community needs. / सामुदायिक आवश्यकताओं के अनुसार कार्यक्रम का लचीलापन।
- 4. extending help to all individuals. / सभी व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना।

#### **Correct Answer:-**

• Acceptance and understanding of individuals. / व्यक्तियों की स्वीकृति और समझ।

# 15) Which is the second stage of psychosocial development according to Erik Erikson? / एरिक एरिक्सन के अनुसार, मनोसामाजिक विकास का दूसरा चरण कौन-सा है?

- 1. Initiative vs. guilt / पहल बनाम अपराध
- 2. Autonomy vs. shame and doubt / स्वतंत्रता बनाम शर्म और संदेह
- 3. Industry vs. inferiority / परिश्रम बनाम हीनता
- 4. Generativity vs. stagnation / उदारता बनाम ठहराव

- Autonomy vs. shame and doubt / स्वतंत्रता बनाम शर्म और संदेह
- 16) The premise that an individual's behavior and affect are largely determined by his or her attitudes and assumptions about the world underlies: / वह आधार जो किसी व्यक्ति के

## व्यवहार और प्रभाव को बड़े पैमाने पर उसके नजरिए और दुनिया की समझ के बारे में मान्यताओं द्वारा निर्धारित किया जाता है:

- 1. Cognitive-behavior therapy/ संज्ञानात्मक-व्यवहार थेरेपी
- 2. Psychoanalytic psychotherapy/ मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा
- 3. Milieu therapy/ मिलाउ थेरेपी
- 4. Modeling/ मॉडलिंग

#### **Correct Answer:-**

- Cognitive-behavior therapy/ संज्ञानात्मक-व्यवहार थेरेपी
- 17) In which stage of development does the child learn motor and physical skills necessary for playing different indoor and outdoor games? / विकास के किस चरण में बच्चा विभिन्न इनडोर और आउटडोर गेम खेलने के लिए आवश्यक मोटर और शारीरिक कौशल सीखता है?
- 1. Later childhood (6 to 12 years)/ पश्च बाल्यावस्था (6 से 12 वर्ष)
- 2. Infancy (up to 2 years)/ शैशवावस्था (2 वर्ष तक)
- 3. Adolescence (from 12 to 18 years)/ किशोरावस्था (12 से 18 वर्ष तक)
- 4. Early childhood (3 to 5 years)/ प्रारंभिक बाल्यावस्था (3 से 5 वर्ष)

#### **Correct Answer:-**

- Later childhood (6 to 12 years)/ पश्च बाल्यावस्था (6 से 12 वर्ष)
- 18) What must be encouraged in the second stage of psychosocial development according to Erikson? / एरिक्सन के अनुसार, मनोवैज्ञानिक विकास के दूसरे चरण में क्या प्रोत्साहित किया जाना चाहिए?
- 1. Relationships / संबंध
- 2. Support / सहयोग
- 3. Proximal development / निकटवर्ती विकास
- 4. Exploration / अन्वेषण

- Exploration / अन्वेषण
- 19) What theory focuses on the role of operant conditioning in language acquisition? / भाषा अधिग्रहण में स्फूर्त अनुकूलन की भूमिका पर कौन सा सिद्धांत केंद्रित है?
- 1. Nativist theory / नैटिविस्ट सिद्धांत

2. Nature theory / प्रकृति सिद्धांत
3. Cognitive theory / संज्ञानात्मक सिद्धांत
4. Behaviourist theory / व्यवहारवादी सिद्धांत
Correct Answer :-
• Behaviourist theory / व्यवहारवादी सिद्धांत
20) What career would be ideal for a child with high spatial intelligence? / उच्च स्थानिक बुद्धि वाले बच्चे के लिए कौन सा व्यवसाय आदर्श होगा?
1. Architecture / वास्तुकला
2. Musical composition / संगीत रचना
3. Politics / राजनीति
4. Writing / लिखना
Correct Answer :-
• Architecture / वास्तुकला
21) Interest as well as is a must to achieve desired success in a task. / रूचि के साथ -साथ, एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।  1. Attitude / अभिवृत्ति  2. Hard work / कठोर परिश्रम  3. Aptitude / योग्यता  4. Intelligence / बद्धि
-साथ, एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।  1. Attitude / अभिवृत्ति  2. Hard work / कठोर परिश्रम  3. Aptitude / योग्यता  4. Intelligence / बुद्धि
-साथ, एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।  1. Attitude / अभिवृत्ति  2. Hard work / कठोर परिश्रम  3. Aptitude / योग्यता
-साथ, एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।  1. Attitude / अभिवृत्ति  2. Hard work / कठोर परिश्रम  3. Aptitude / योग्यता  4. Intelligence / बुद्धि  Correct Answer :-
-साथ, एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।  1. Attitude / अभिवृत्ति  2. Hard work / कठोर परिश्रम  3. Aptitude / योग्यता  4. Intelligence / बुद्धि  Correct Answer :-  • Aptitude / योग्यता
-साथ, एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।  1. Attitude / अभिवृत्ति  2. Hard work / कठोर परिश्रम  3. Aptitude / योग्यता  4. Intelligence / बुद्धि  Correct Answer :-  • Aptitude / योग्यता  22) Who is the father of Psychoanalysis? / मनोविश्लेषण के जनक कौन हैं?
-साथ, एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।  1. Attitude / अभिवृत्ति  2. Hard work / कठोर परिश्रम  3. Aptitude / योग्यता  4. Intelligence / बुद्धि  Correct Answer :-  • Aptitude / योग्यता  22) Who is the father of Psychoanalysis? / मनोविश्लेषण के जनक कौन हैं?  1. Carl Jung / कार्ल युंग
-साथ, एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।  1. Attitude / अभिवृत्ति  2. Hard work / कठोर परिश्रम  3. Aptitude / योग्यता  4. Intelligence / बुद्धि  Correct Answer :-  • Aptitude / योग्यता  22) Who is the father of Psychoanalysis? / मनोविश्लेषण के जनक कौन हैं?  1. Carl Jung / कार्ल युंग  2. Erik Erikson / एरिक एरिक्सन

• Sigmund Freud / सिग्मंड फ्रायड

## 23) The Two-factor theory is introduced by: / द्विकारक सिद्धांत इनके द्वारा प्रतिपादित किया गया:

- 1. Lev Vygotsky / लिव वाइगोत्सकी
- 2. Abraham Maslow / अब्राहम मास्लो
- 3. Jean William Fritz Piaget / जीन विलियम फ्रिट्ज पियाजे
- 4. Frederick Herzberg / फ्रेडरिक हर्ज़बर्ग

#### **Correct Answer:-**

• Frederick Herzberg / फ्रेडरिक हर्ज़बर्ग

## 24) The two factors which were identified in the Two-factor theory are: / द्विकारक सिद्धांत में जिन दो कारकों की पहचान की गई थी, वे हैं:

- 1. chemical and social / रासायानिक और सामाजिक
- 2. motivation and hygiene / अभिप्रेरणा (मोटिवेशन) और स्वच्छता (हाइजीन)
- 3. physical and economical / भौतिक और अर्थशास्रीय
- 4. biological and environmental / जैविक और पर्यावरणीय

#### **Correct Answer:-**

• motivation and hygiene / अभिप्रेरणा (मोटिवेशन) और स्वच्छता (हाइजीन)

# 25) Louis L. Thurstone did not focus on which of the following abilities? / निम्नलिखित में से किस क्षमता पर लुइस एल. थर्स्टीन ने ध्यान केंद्रित नहीं किया?

- 1. Associative Memory /सहचारी स्मृति
- 2. Verbal Comprehension / मौखिक अवधारणा
- 3. Psychomotor Ability / मनोप्रेरणा योग्यता
- 4. Numerical Ability / संख्यात्मक क्षमता

#### **Correct Answer:-**

• Psychomotor Ability / मनोप्रेरणा योग्यता

# 26) Problem in spelling and reading are faced by a child affected by: / निम्न से प्रभावित एक बच्चे द्वारा वर्तनी और पढ़ने में समस्या का सामना करना पड़ता है:

3. The IQ effect / आईक्यू प्रभाव 4. The Wechsler effect / वेचस्लेर प्रभाव	
Correct Answer :-	
• The Flynn effect / फ्लिन प्रभाव	
28) Pedagogy means to	
होता है।  1. educate the child / बच्चे को शिक्षित करना  2. lead the child / बच्चे का नेतृत्व करना  3. guide the child / बच्चे को गाइड करना	
होता है।  1. educate the child / बच्चे को शिक्षित करना  2. lead the child / बच्चे का नेतृत्व करना	
होता है।  1. educate the child / बच्चे को शिक्षित करना  2. lead the child / बच्चे का नेतृत्व करना  3. guide the child / बच्चे को गाइड करना	

1. Scaffolding / पाड़ (स्कैफोल्डिंग)

2. Active learning / सक्रिय अधिगम
3. Root memorization / मूल संस्मरण
4. Drilling / ड्रिलिंग
Correct Answer :-
• Scaffolding / पाड़ (स्कैफोल्डिंग)
<sup>30)</sup> Babies learn to differentiate between day and night by the age of / की आयु से बच्चे दिन और रात में अंतर करना सीखते हैं।
1. Six months / छह महीने
2. Three months / तीन महीने
3. One year / एक वर्ष
4. Nine months / नौ महीने
Correct Answer :-
• Three months / तीन महीने
Topic:- General Hindi (L1GH)
Topici General Fillia (E1911)
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं। वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विश्वद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ। अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया।
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्त, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्त आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया । उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं। वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भित्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विश्वद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रिचत उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ। अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया।  उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये: प्रश्न - मैथिली भाषा भारत के किस क्षेत्र में बोली जाती है ?
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्त, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया । उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइयेः प्रश्न - मैथिली भाषा भारत के किस क्षेत्र में बोली जाती है ?
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्त, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, शृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया । उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइयेः प्रश्न - मैथिली भाषा भारत के किस क्षेत्र में बोली जाती है ?  1. मिथिला  2. ब्रज
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्न, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भिति रचना, श्रंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के क्षूम मनोभाव, रित-अभिसार के विश्यद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया । उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये: प्रश्न - मैथिली भाषा भारत के किस क्षेत्र में बोली जाती है ?  1. मिथिला  2. ब्रज  3. भोजपुर
1) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विश्वद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोधित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया । उपर्युक्त गद्याश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये: प्रश्न - मैथिली भाषा भारत के किस क्षेत्र में बोली जाती है ?  1. मिथिला  2. ब्रज  3. भोजपुर  4. अवध

2) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - नीतिशास्त्र के माध्यम से महाकवि विद्यापित ने किसे कर्तव्यबोध कराया ?

- 1. महाकवियों
- 2. समकालीन चिन्तकों
- 3. सैनिकों
- 4. राजपुरुषों

#### **Correct Answer:-**

• राजपुरुषों

3) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापित की रचनाएँ किन राजाओं के शासनकाल में रचित हैँ ?

- 1. पाल वंशीय
- 2. गुप्त वंशीय
- 3. ओइनवारवंशीय
- 4. मौर्य वंशीय

- ओइनवारवंशीय
- 4) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके

ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भिक्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ। अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - किस प्रकार के वर्णन द्वारा महाकवि विद्यापित ने राजपुरुषों का उत्साहवर्द्धन किया?

- 1. कृतित्व वर्णन
- 2. सूक्ष्म मनोभावों
- 3. नीति शास्त्रों
- 4. शासन पद्धति

#### **Correct Answer:-**

• कृतित्व वर्णन

5) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं। वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ। अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'मिलन-विरह' पदबंध में किस प्रकार का संबंध है?

- 1. समानार्थी
- 2. उपसर्ग-धातु
- 3. विलोमार्थी
- 4. विशेषण विशेष्य

- विलोमार्थी
- 6) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं। वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भिक्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी

रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ। अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

### प्रश्न - 'दूरदर्शिता' का अर्थ क्या होता है?

- 1. दूरदर्शन देखनेवाला
- 2. दूर तक जाने वाला
- 3. दूर तक न देखनेवाला
- 4. भविष्य देखने वाला

#### **Correct Answer:-**

• भविष्य देखने वाला

7) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं। वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ। अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया।

उपर्यक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

## प्रश्न - 'समीचीन' का पर्यायवाची क्या है?

- 1. उपर्युक्त
- 2. चीन युक्त
- 3. चीनी का बना
- 4. उपयुक्त

#### **Correct Answer:-**

• उपयुक्त

8) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं। वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्त, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्त आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भिक्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम

कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापित की राजकीय सलाहकार के रूप में कौन-सी विशेषता थी?

- 1. प्रखर कलावादी
- 2. प्रखर युद्धवादी
- 3. प्रखर शासकीय
- 4. प्रखर नैतिक

#### **Correct Answer:-**

• प्रखर नैतिक

9) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भिक्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापित की रचनाएँ राजपुरुषों को सामान्य जन-जीवन संबंधी कौन-सी जानकारी देती थी?

- 1. आहार-व्यवहार की पद्धति बताना
- 2. खेती की पद्धतियाँ बताना
- 3. कर्ज व ब्याज संबंधी जानकारी देना
- 4. शासन पद्धति में सहायता करना

- आहार-व्यवहार की पद्धति बताना
- 10) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकिव विद्यापित के तत्कालीन राजदरबार से किस प्रकार के संबंध थे ?

1. वे दरबार सम्पोषित थे।

2. वे दरबार से अनासक्त थे।

3. वे चारण किव थे।

4. वे भाट किव थे।

Correct Answer :
• वे दरबार सम्पोषित थे।

11) महाकिव विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मर धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भिवत रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सुक्ष्म मानेश

11) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापित निम्न में से किस विषय के प्रकाण्ड पंडित नहीं थे?

- 1. धर्मशास्त्र
- 2. दर्शन
- 3. कर्मकाण्ड
- 4. क्रमकाण्ड

#### **Correct Answer:-**

- क्रमकाण्ड
- 12) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - किन विषयों के संपूर्ण संसार पर महाकवि विद्यापित का असाधारण अधिकार था?

- 1. राज लोक एवं भौतिक लोक
- 2. स्वर्ग लोक और पाताल लोक
- 3. शास्त्र और लोक
- 4. पुस्तकालय और विद्यापीठ

• शास्त्र और लोक

13) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भित्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापित ने राजदरबार में किस भूमिका का निर्वहन किया ?

- の目
- 2. सामाजिक अभिकर्ता
- 3. राजपुरुष
- 4. सलाहकार

#### **Correct Answer:-**

• सलाहकार

14) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ट और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं। वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भिक्त रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साहवर्द्धन और नीतिशास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत् अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ। अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापित के ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार किससे स्पष्ट होता है ?

- 1. उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से
- 2. उनकी रचनाओं में चारण-धर्म न होने से

- 3. उनकी रचनाएँ तीन भाषाओं में होने से
- 4. उनके ओइनवार वंशीय राजाओं के समयकालीन होने से

• उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से

15) महाकवि विद्यापित की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रित-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धितयाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रिचत उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धित में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - निम्न में से किस क्षेत्र की जानकारियाँ महाकवि विद्यापित की रचनाओं में दर्ज नहीं हैं?

- 1. धर्मशास्त्र
- 2. दर्शन
- 3. नीतिशास्त्र
- 4. सौन्दर्यशास्त्र

#### **Correct Answer:-**

• नीतिशास्त्र

16) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - जब दुनिया कवि को बावरा कह रही है, तो वह दुनिया को क्या कह रहा है?

- 1. गर्विली
- 2. अहंकारी
- 3. बावरी

4. खुद्दार

#### **Correct Answer:-**

बावरी

17) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि के अनुसार मन को कौन देख सकता है ?

- 1. जो देखना चाहता हो
- 2. जिसका ऑपरेशन हुआ है
- 3. जिसकी दृष्टि में स्वयं खसम हो
- 4. जिसकी आँखे हों

#### **Correct Answer:-**

• जिसकी दृष्टि में स्वयं खसम हो

18) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। भहामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि के अनुसार ब्रह्म कहाँ निवास करते हैं?

- 1. मन में
- 2. मंदिर में

- 3. चराचर में
- 4. ब्रह्माण्ड में

मन में

19) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। भहामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। भहामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

## प्रश्न - कवि के अनुसार उसका घर कोई भी क्यों नहीं देख सकता ?

- 1. क्योंकि उस घर का पता किसी को नहीं पता है।
- 2. क्योंकि उस घर का मार्ग कठिन है।
- 3. क्योंकि वह अलख का घर है।
- 4. क्योंकि वह घर बहुत दूर है।

#### **Correct Answer:-**

• क्योंकि वह अलख का घर है।

20) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि क्यों अपने पास न आने के लिए कह रहा है ?

1. क्योंकि वह झूठा है।

- 2. क्योंकि उसने सद्गुरु को अपना लिया है।
- 3. क्योंकि वह परब्रह्म से मिल गया।
- 4. क्योंकि वह संसार से बिछड़ गया है।

• क्योंकि वह संसार से बिछड गया है।

21) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि किसके जैसा बिगड़ने के लिए कह रहा है ?

- 1. राजाओं के
- 2. स्वयं कवि के
- 3. आवारा लोगों के
- 4. गुण्डों के

#### **Correct Answer:-**

स्वयं कवि के

22) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। भहामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि ने किसके संग रहकर यह घर पाया ?

- माया के
   सद्गुरु के
   अहंकार के
- 4. परब्रह्म के

सद्गुरु के

23) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - "अब एक मेरे कहे कौन पतीजे" पंक्ति में आए 'पतीजे' पद का क्या अर्थ होता है ?

- 1. जिम्मेदार
- 2. भतीजा
- 3. विश्वास
- 4. पसीना

#### **Correct Answer:-**

विश्वास

24) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। भहामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

# प्रश्न - प्रस्तुत कविता के लिए निम्न में से कौन-सा शीर्षक उपयुक्त है? 1. कोई नहीं आस-पास 2. सद्गुरु दिया मिलाय 3. सत्य की राह 4. डार से बिछडा

#### **Correct Answer:-**

• सद्गुरु दिया मिलाय

25) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछ मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। भहामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश में आए शब्द 'कछु' का अर्थ होता है?

- 1. कछुआ
- 2. कुछ
- 3. छुना
- 4. सर्वस्व

#### **Correct Answer:-**

কুন্ত

26) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥ सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥ उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पुछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश में आए 'खसम' शब्द का क्या अर्थ होता है ?

- 1. पति
- 2. शपथ
- 3. संबंधी
- ४. इशारा

#### **Correct Answer:-**

• पति

27) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

## प्रश्न - कवि विश्व से क्यों बिछड़ गया ?

- 1. बिगड़ने के कारण
- 2. अज्ञान के कारण
- 3. अहंकार के कारण
- 4. दूर जाने के कारण

#### **Correct Answer:-**

• बिगडने के कारण

28) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

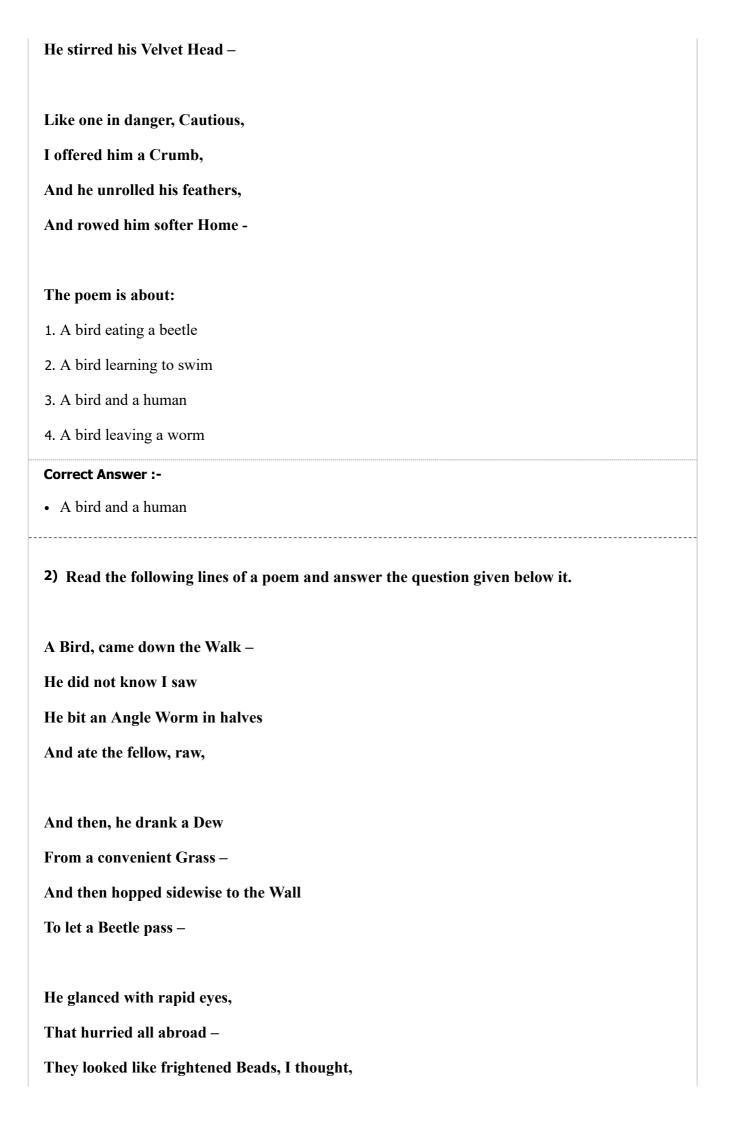
मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥ चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥ सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥ उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये: प्रश्न - कौन अलख का घर नहीं पहचान पाता है? 1. चतुर 2. बावरा 3. संसारी 4. ज्ञानी **Correct Answer:-**• चतुर 29) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥ में कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥ सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म। महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥ चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥ सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥ उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये: प्रश्न - सतगुरु संगत ने कवि को क्या दिखाया है ? 1. गुरु वाणी 2. सच्चा ज्ञान 3. परब्रह्म 4. कविता का ज्ञान **Correct Answer:-**• परब्रह्म

30) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई। बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही। अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झुठे क्यों होई॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई। अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥
सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई। भहामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥
उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:
प्रश्न - दुनिया कवि को क्या कहती है ?
1. ढोंगी
2. बावरा
3. कवि
4. साधु
Correct Answer :-
• बावरा
Topic:- General English(L2GE)
1) Read the following lines of a poem and answer the question given below it.
-7 Read the following fines of a poem and answer the question given below it.
A Bird, came down the Walk –
A Bird, came down the Walk –
A Bird, came down the Walk – He did not know I saw
A Bird, came down the Walk –  He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves
A Bird, came down the Walk –  He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves
A Bird, came down the Walk –  He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves  And ate the fellow, raw,
A Bird, came down the Walk –  He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves  And ate the fellow, raw,  And then, he drank a Dew
A Bird, came down the Walk –  He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves  And ate the fellow, raw,  And then, he drank a Dew  From a convenient Grass –
A Bird, came down the Walk –  He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves  And ate the fellow, raw,  And then, he drank a Dew  From a convenient Grass –  And then hopped sidewise to the Wall
A Bird, came down the Walk –  He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves  And ate the fellow, raw,  And then, he drank a Dew  From a convenient Grass –  And then hopped sidewise to the Wall
A Bird, came down the Walk –  He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves  And ate the fellow, raw,  And then, he drank a Dew  From a convenient Grass –  And then hopped sidewise to the Wall  To let a Beetle pass –



He stirred his Velvet Head –
Like one in danger, Cautious,
I offered him a Crumb,
And he unrolled his feathers,
And rowed him softer Home –
The bird glanced with rapid eyes because:
1. It wanted to drink dew
2. It was looking for other birds
3. It was looking for the poet
4. It was scared
Correct Answer :-
It was scared
3) Read the content carefully and answer the question below it:
We all know – and those of us who prize honesty condemn – the type of trader who gives short weight or offers his wares under false descriptions. Do we recognise as equally dishonest the journalist who betrays his trust? This cheat will suppress news of events and opinions that he finds inconvenient, or trim them to a form that he thinks acceptable to his public. He will even write reports that he knows to be, in part or entirely, false.
Which two kinds of people does the author compare in this passage?
1. A dishonest trader and a dishonest journalist
2. A dishonest trader and an honest journalist
3. An honest trader and an honest journalist
4. A honest trader and a dishonest journalist
Correct Answer :-  • A dishonest trader and a dishonest journalist

4) Fill in the blank with the correct option in the given sentence:
A sensit tooth can be very painful.
1ize
2ive
3ively
4ivity
Correct Answer :-
•ive
5) Read the content carefully and answer the question below it:
We all know – and those of us who prize honesty condemn – the type of trader who gives short weight or offers his wares under false descriptions. Do we recognise as equally dishonest the journalist who betrays his trust? This cheat will suppress news of events and opinions that he finds inconvenient, or trim them to a form that he thinks acceptable to his public. He will even write reports that he knows to be, in part or entirely, false.
According to the author what kind of trader do honest people like?
1. Those who don't lie
2. Those who cheat
3. Those who are unfaithful
4. Those who are dishonest
5. Those who are dishonest
Correct Answer :-
Those who don't lie
6) Read the content carefully and answer the question below it:  We all know – and those of us who prize honesty condemn – the type of trader who gives short weight or offers his wares under false descriptions. Do we recognise as equally dishonest the journalist who betrays his trust? This cheat will suppress news of events and opinions that he finds inconvenient, or trim them to a form that he thinks acceptable to his public. He will even write reports that he knows to be, in part or entirely, false.

The word "trim" in the passage means the same as:

1. Cut to size

2. Make easily
3. Tame nicely
4. Bake freely
 Correct Answer :-
• Cut to size
7) Read the following lines of a poem and answer the question given below it.
A Bird, came down the Walk –
He did not know I saw
He bit an Angle Worm in halves
And ate the fellow, raw,
And then, he drank a Dew
From a convenient Grass —
And then hopped sidewise to the Wall
To let a Beetle pass –
He glanced with rapid eyes,
That hurried all abroad –
They looked like frightened Beads, I thought,
He stirred his Velvet Head —
Like one in danger, Cautious,
I offered him a Crumb,
And he unrolled his feathers,
And rowed him softer Home -
Which of the following did the bird do?
1. Eat a worm only
2. Fly away only
3. All of the above

Correct Answer :-
4. Convenient
3. Careless
2. Courageous
1. Frightened
The antonym of the word "cautious" is:
And rowed him softer Home -
And he unrolled his feathers,
I offered him a Crumb,
Like one in danger, Cautious,
He stirred his Velvet Head –
They looked like frightened Beads, I thought,
That hurried all abroad –
He glanced with rapid eyes,
<b>-</b>
To let a Beetle pass –
And then hopped sidewise to the Wall
From a convenient Grass –
And then, he drank a Dew
And ale the lenow, law,
And ate the fellow, raw,
He did not know I saw  He bit an Angle Worm in halves
A Bird, came down the Walk —  He did not know I saw
8) Read the following lines of a poem and answer the question given below it.
• All of the above
Correct Answer :-
4. Let a beetle pass only

• Careless
9) Read the sentence carefully and choose the option that has an error in it:
Today, more childrens' books are being published than ever before.
1. than ever before.
2. Today,
3. are being published
4. more childrens' books
Correct Answer :-
more childrens' books
10) Choose the option that best transforms the given sentence without changing its meaning:
My father is speaking to the man. His shop was burgled.
1. Speaking to the man is my father whose shop was burgled.
2. My father is speaking that man who had his shop burgled.
3. My father is speaking to the man whose shop was burgled.
4. My father is speaking to the man and his shop was burgled.
Correct Answer :-
My father is speaking to the man whose shop was burgled.
11) Read the sentence carefully and choose the option that has an error in it:
It is not longer a necessary for all employees to wear an identification badge in order to work in the vault.
1. No error
2. to wear an identification badge
3. in order to work in the vault.
4. It is not longer a necessary for all employees
Correct Answer :-
It is not longer a necessary for all employees

12) Fill in the blank with the correct option in the given sentence	e:
The student who was expelled from school wanted to have an	for his expulsion.
1. explaining	
2. explanatory	
3. explanation	
4. explained	
 Correct Answer :-	
• explanation	
13) Choose the right tag:	
He loves literature,?	
1. isn't he	
2. does he	
3. doesn't he	
4. don't he	
 Correct Answer :-	
• doesn't he	
14) Read the content carefully and answer the question below	it:
We all know – and those of us who prize honesty condemn – the short weight or offers his wares under false descriptions. Do w	••
dishonest the journalist who betrays his trust? This cheat will opinions that he finds inconvenient, or trim them to a form that	
public. He will even write reports that he knows to be, in part	
What sort of news does the journalist mentioned in the passag	e suppress?
1. News that is unbearable	
2. News that pleases him	
3. News that pleases the public	
4. News that does not suit his purpose	
 Correct Answer :-	

• News that does not suit his purpose

15) Choose the most appropriate determiner in the given sentence.
The child hadmarbles.
1. lot
2. much
3. some
4. little
Correct Answer :-
• some
16) Fill in the blank with the most appropriate preposition in the given sentence.
Can you help me this heavy box?
1. of
2. with
3. by
4. for
Correct Answer :-
• with
17) Fill in the blank with the correct option in the given sentence:
Smoking will never be given up, the tobacco industry thrives.
1. as long as
2. though
3. so that
4. as if
Correct Answer :-
as long as
18) Fill in the blanks with the correct option in the given sentence:

Aunt Martha was unhappy with	job so	_ decided to quit				
1. their, we, them						
2. her, we, it						
3. her, she, it						
4. our, we, it						
Correct Answer :-						
her, she, it						
19) Fill in the blank with the correct option in the given sentence:						
When we look down on a person we	e are said to	pise him.				
1. be						
2. di						
3. sur						
4. des						
Correct Answer :-						
• des						
	20) Choose the appropriate antonym for the highlighted word in the given sentence.					
Don't <u>inhale</u> the fumes from the ext	naust pipe.					
1. sniff						
2. expire						
3. extinguish						
4. exhale						
Correct Answer :-						
• exhale						
21) Choose the appropriate prepositions for the given sentence:						
I told mom that we'd be home	an hou	ır or so. but we got late	another hour.			

1. under, with
2. in, by
3. until, with
4. at, for
Correct Answer :-
• in, by
22) Choose the appropriate synonym for the highlighted word in the given sentence.
Her teacher told her not to be <u>complacent</u> about the achievements since there was still a lot to be done.
1. satisfied
2. happy
3. arrogant
4. proud
Correct Answer :-
• satisfied
23) Choose the appropriate option that rewrites the given sentence in its active voice.
23) Choose the appropriate option that rewrites the given sentence in its active voice.  Delicious food is prepared by my mother everyday at home.
Delicious food is prepared by my mother everyday at home.
Delicious food is prepared by my mother everyday at home.  1. My mother prepares delicious food.
Delicious food is prepared by my mother everyday at home.  1. My mother prepares delicious food.  2. Delicious food has been prepared at home.
Delicious food is prepared by my mother everyday at home.  1. My mother prepares delicious food.  2. Delicious food has been prepared at home.  3. Delicious food was prepared by mother everyday at home.
Delicious food is prepared by my mother everyday at home.  1. My mother prepares delicious food.  2. Delicious food has been prepared at home.  3. Delicious food was prepared by mother everyday at home.  4. My mother prepares delicious food at home everyday.  Correct Answer:-  • My mother prepares delicious food at home everyday.
Delicious food is prepared by my mother everyday at home.  1. My mother prepares delicious food.  2. Delicious food has been prepared at home.  3. Delicious food was prepared by mother everyday at home.  4. My mother prepares delicious food at home everyday.  Correct Answer:-
Delicious food is prepared by my mother everyday at home.  1. My mother prepares delicious food.  2. Delicious food has been prepared at home.  3. Delicious food was prepared by mother everyday at home.  4. My mother prepares delicious food at home everyday.  Correct Answer:-  • My mother prepares delicious food at home everyday.

2. has, Will she be	
3. hasn't, Is she	
4. is, Was she	
Correct Answer :-	
• hasn't, Is she	
25) Choose appropriate articles for the given sentence:	
To be healthy remove junk food in house and concentrate on healthy meals for enfamily.	tire
1. a, no article required	
2. the, an	
3. the, the	
4. no article required, the	
Correct Answer :-	***************
• the, the	
26) Choose an appropriate modal for the given sentence:	
26) Choose an appropriate modal for the given sentence:  Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or time.	n
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or	n
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or time.	n
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or time.  1. can	n
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or time.  1. can 2. could	n
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or time.  1. can 2. could 3. shall	<b>n</b>
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or time.  1. can 2. could 3. shall 4. must	<b>n</b>
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or time.  1. can 2. could 3. shall 4. must  Correct Answer :-	
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be of time.  1. can 2. could 3. shall 4. must  Correct Answer:-  • must	
Bhawana has arrived late to the class, the teacher told her that thereafter she be or time.  1. can 2. could 3. shall 4. must  Correct Answer:-  • must  27) Choose the option that substitutes the given phrase appropriately.	

	3. Active
	4. Alert
4111	Correct Answer :-
	• Alert
	28) Choose the option that best transforms the sentence into its Indirect form:
	'Start at twelve,' he said to her, 'come back at five'.
	1. Starting at twelve and coming back at five was told by him to her.
	2. He has been telling her to start at twelve and come back at five.
	3. He told her to start at twelve and to come back at five.
	4. He said her to start at twelve and you come back at five.
	Correct Answer :-
	He told her to start at twelve and to come back at five.
	29) Choose the option that best explains the highlighted expression:
	This television program is for the birds.
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-  • worthless
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-  • worthless
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-  • worthless  30) Change the given statement to indirect speech.
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-  • worthless  30) Change the given statement to indirect speech.  "I must go," she said to herself.
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-  • worthless  30) Change the given statement to indirect speech.  "I must go," she said to herself.  1. She told herself that she should go.
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-  • worthless  30) Change the given statement to indirect speech.  "I must go," she said to herself.  1. She told herself that she should go.  2. She said I must go.
_	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-  • worthless  30) Change the given statement to indirect speech.  "I must go," she said to herself.  1. She told herself that she should go.  2. She said I must go.  3. She said herself she must go.
	This television program is for the birds.  1. people who are dim witted  2. worthless  3. bird watchers  4. bird lovers  Correct Answer:-  • worthless  30) Change the given statement to indirect speech.  "I must go," she said to herself.  1. She told herself that she should go.  2. She said I must go.

She told herself that she should go.
Topic:- HINDI (HIN)
1) इनमें से कौन सी अच्छे निबंध की विशेषता नहीं है-
1. कसावट
2. विषयानुकूलता
3. प्रभावशाली भाषा
4. रुकावट
Correct Answer :-
<ul> <li>रुकावट</li> </ul>
2) शिक्षण को प्रभावशाली कैसे बनाया जा सकता है?
1. शिक्षण सूत्रों के आधार पर
2. शिक्षण को व्यवसाय से जोड़कर
3. शिक्षण को अत्यधिक सरकारी अनुदान देकर
4. इनमें से कोई नहीं
Correct Answer :-
• शिक्षण सूत्रों के आधार पर
3) शिक्षण सहायक सामग्री का गुण है -
1. उपरोक्त सभी
2. केवल परिशुद्धता
3. केवल रोचकता
4. केवल प्रासंगिकता
Correct Answer :-
• उपरोक्त सभी
4) किस प्रकार के पत्र में शब्दों का बंधन होता है?
1. तार
2. फैक्स

3. पोस्ट कार्ड
4. अन्तर्देशीय पत्र
Correct Answer :-
• तार
5) रूप रेखा अनुकरण विधि है-
1. लेखन कौशल
2. श्रवण कौशल
3. वाचन कौशल
4. पढ़ने का कौशल
Correct Answer :-
• लेखन कौशल
6)  श्याम और राधा एक दूसरे से बातचीत कर रहे हैं, यह रूप है:
1. उपरोक्त सभी
2. केवल सांकेतिक अभिव्यक्ति का
3. केवल मौखिक अभिव्यक्ति का
4. केवल लिखित अभिव्यक्ति का
Correct Answer :-
• केवल मौखिक अभिव्यक्ति का
7) श्यामपट्ट को साफ करने की सही प्रक्रिया है-
1. ऊपर से नीचे की ओर
2. नीचे से ऊपर की ओर
3. बाएं से दायें की ओर
4. दायें से बाएं की ओर
Correct Answer :-
• बाएं से दायें की ओर
8)  इनमें से कौन-से निबंधकार भारतेंदु युगीन निबंधकार नहीं हैं?
1. गुलाबराय

2. प्रतापनारायण मिश्र
3. राधाचरण गोस्वामी
4. बालकृष्ण भट्ट
Correct Answer :-
• गुलाबराय
9) इनमें से किस रचनाकार की कहानियाँ देश विभाजन से संबंधित हैं?
1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
2. अनामिका
3. भीष्म साहनी
४. जयशंकर प्रसाद
Correct Answer :- • भीष्म साहनी
• नाजा (तिहास
10) डिस्लेक्सिया का लक्षण है:
1. उपरोक्त सभी
2. केवल वर्णमाला अधिगम में कठिनाई
3. केवल वर्तनी दोष से पीड़ित होना
4. केवल एकाग्रता में कठिनाई
Correct Answer :-
• उपरोक्त सभी
11)   सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कृत 'सरोज स्मृति' के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?
1. इसमे कवि ने अपने अपने जीवन-संघर्षों का चित्रण किया है।
<ol> <li>इसमें निराला की विद्रोही भावना भी व्यक्त हुई है।</li> </ol>
3. यह एक शोकगीत है।
४. यह निराला की प्रयोगवादी रचना है।
Correct Answer :-
• यह निराला की प्रयोगवादी रचना है।
12)

## 'आपका आशीर्वाद मेरा एकमात्र सम्बल है' इस वाक्य की परिसमाप्ति वाला पत्र किसके द्वारा किसे लिखा जा रहा होगा?

- 1. समकक्ष अधिकारी द्वारा दूसरे अधिकारी को
- 2. किसी बालक द्वारा वृद्धजन को
- 3. किसी वृद्धजन द्वारा बालक को
- 4. मित्र द्वारा मित्र को

#### **Correct Answer:-**

• किसी बालक द्वारा वृद्धजन को

## 13) 'तार सप्तक' के संपादक कौन थे?

- 1. गजानन माधव मुक्तिबोध
- 2. सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय'
- 3. रामधारी सिंह 'दिनकर'
- 4. त्रिलोचन शास्त्री

#### **Correct Answer:-**

• सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय'

## 14) 'मजदूरी और प्रेम' शीर्षक प्रसिद्ध निबंध किसके द्वारा लिखित है?

- 1. जिद्दू कृष्णमूर्ति
- 2. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
- 3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- 4. सरदार पूर्ण सिंह

#### **Correct Answer:-**

• सरदार पूर्ण सिंह

# 15) 'मित्रता' नामक निबंध के निबंधकार कौन हैं?

- 1. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
- 2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- 3. राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी
- 4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

#### **Correct Answer:-**

• आचार्य रामचंद्र शुक्ल
16) 'स्कूल बंद हो गया और लड़के घर जाने लगे <sup>,</sup> का सरल वाक्य में रूपांतरण कौन सा है?
1. स्कूल बंद होते ही लड़के घर जाने लगे।
2. स्कूल बंद हुआ कि लड़के घर जाने लगे।
3. स्कूल बंद होने पर लड़के घर जाने लगे।
4. ज्यो ही स्कूल बंद हुआ त्यों ही लड़के घर जाने लगे।
Correct Answer :-
• स्कूल बंद होने पर लड़के घर जाने लगे।
17) 'कौमुदी महोत्सव' किसके द्वारा रचित नाटक है?
1. उपेन्द्र नाथ अश्क
2. रामकुमार वर्मा
3. भीष्म साहनी
4. राहुल सांकृत्यायन
Correct Answer :-
• रामकुमार वर्मा
• रामकुमार वर्मा 18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है?
18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है?
<b>18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है?</b> 1. नंद दुलारे वाजपेयी
18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है? 1. नंद दुलारे वाजपेयी 2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है? 1. नंद दुलारे वाजपेयी 2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 3. डॉ. नगेन्द्र
18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है? 1. नंद दुलारे वाजपेयी 2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 3. डॉ. नगेन्द्र 4. महादेवी वर्मा
18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक हैं?  1. नंद दुलारे वाजपेयी  2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल  3. डॉ. नगेन्द्र  4. महादेवी वर्मा  Correct Answer :-  • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है?  1. नंद दुलारे वाजपेयी  2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल  3. डॉ. नगेन्द्र  4. महादेवी वर्मा  Correct Answer :-  • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल  19) 'ग्राम' कहानी किसके द्वारा लिखित है?
18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक हैं?  1. नंद दुलारे वाजपेयी  2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल  3. डॉ. नगेन्द्र  4. महादेवी वर्मा  Correct Answer :-  • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल  19) 'ग्राम' कहानी किसके द्वारा लिखित हैं?  1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है?  1. नंद दुलारे वाजपेयी  2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल  3. डॉ. नगेन्द्र  4. महादेवी वर्मा  Correct Answer :-  • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल  19) 'ग्राम' कहानी किसके द्वारा लिखित है?

Correct Answer :-
• जयशंकर प्रसाद
20) 'बधाई पत्र' किस प्रकार का पत्र है?
1. कार्यालयीन पत्र
2. सामाजिक पत्र
3. औपचारिक पत्र
4. सरकारी पत्र
Correct Answer :-
• सामाजिक पत्र
21) 'किस वर्ग के निबंध में किसी यात्रा अथवा साहसपूर्ण कृत्य का विवरण प्रस्तुत किया जाता है और इसमें मनोरंजन की उपस्थिति अनिवार्य है'-
1. विवरणात्मक निबंध
2. वैज्ञानिक निबंध
3. विचारात्मक निबंध
4. निग्मात्मक निबंध
Correct Answer :-
• विवरणात्मक निबंध
22) 'टोकरा भर मिट्टी' किसके द्वारा लिखित कहानी है?
1. गजानन माधव मुक्तिबोध
2. माधवराव सप्रे
3. मिश्र बंधु
4. जगन्नाथ प्रसाद खत्री
Correct Answer :-
• माधवराव सप्रे
23) किस छायावादी रचनाकार की रचनाओं में भावनात्मक रहस्यवाद के दर्शन होते हैं?
1. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2. सुमित्रानंदन पंत

3. जयशंकर प्रसाद
4. महादेवी वर्मा
Correct Answer :-
• महादेवी वर्मा
24) श्रवण के आधार पर भाषा का कौन सा भेद है:
1. कृत्रिम भाषा, सहज भाषा
2. अयोगात्मक और संयोगात्मक भाषा
3. क्लिष्ट और सरल भाषा
4. मधुर भाषा, कर्कश भाषा
Correct Answer :-
• मधुर भाषा, कर्कश भाषा
25) लिखने के नियमों का ज्ञान होता है:
1. व्याकरण के द्वारा
2. बोलने के द्वारा
3. हाथ द्वारा
4. भावनाओं के द्वारा
Correct Answer :-
• व्याकरण के द्वारा
26) सीखने के लिए बातचीत करना किन आयुवर्गों के लिए आवश्यक होता है:
1. किशोरावस्था के लिए
2. सभी आयु वर्गों के लिए
3. बाल्यावस्था के लिए
4. शैशवावस्था के लिए
Correct Answer :-
• सभी आयु वर्गों के लिए
27)  भारत में हिंदी को किस भाषा का दर्जा प्राप्त है?
1. राष्ट्र भाषा

2. विभाषा
3. मातृ भाषा
4. राजभाषा
Correct Answer :-
• राजभाषा
28) पति-पत्नी बात कर रहे हैं, मैं वहाँ जाकर । वाक्य में कौन सा मुहावरा उपयुक्त है।
1. कमर नहीं कसूंगा
2. कफ़न सर पर नहीं बाँधूंगा
3. कबाब में हड्डी नहीं बनूँगा
4. कब्र में पाँव नहीं लटकाऊंगा
Correct Answer :-
• कबाब में हड्डी नहीं बनूँगा
29)  पुत्र द्वारा पिता को लिखा गया पत्र किस प्रकार का पत्र माना जाएगा?
1. व्यावसायिक पत्र
2. कार्यालयीन पत्र
3. व्यक्तिगत पत्र
4. सांस्कृतिक पत्र 
Correct Answer :-
• व्यक्तिगत पत्र
30) वाचन कौशल का उद्देश्य है -
1. उपरोक्त सभी
2. केवल सही व्याकरण वाली भाषा का प्रयोग
3. केवल बालकों का उच्चारण शुद्ध करना
4. केवल बोलने में विराम चिन्हों का प्रयोग करना
Correct Answer :-
• उपरोक्त सभी
. 20 )
31) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम व्यक्त करते हैं -

- -

<ol> <li>अस्था को</li> <li>विचारों को</li> <li>विचारों को</li> </ol> Correct Answer :- <ul> <li>विचारों को</li> </ul> 32) भाषा प्रहण करने की प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जो - <ol> <li>अस्थिर है</li> <li>निरंतर चलती है</li> <li>निश्चेत अवधि तक चलती है</li> <li>स्थिर है</li>  Correct Answer :- <ul> <li>निरंतर चलती है</li> </ul>  33) कक्षा में राष्ट्रीय विन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है? <ul> <li>ज्ञात से अज्ञात की ओर</li> <li>स्थूत से सुक्षम की ओर</li> <li>सरल से जटिल की ओर</li> </ul>  4. विधिष्ट से सामान्य की ओर 5. जात से अज्ञात की ओर Correct Answer :- <ul> <li>ज्ञात से अज्ञात की ओर</li> </ul>    34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है? <ul> <li>पत्र संख्या अतिवार्य होना</li> <li>पत्र के अंगों का निश्चित कम</li> <li>निश्चित संबोधन का निश्चित कम</li> <li>निश्चित संबोधन का निश्चित कम</li> <li>स्ताक्षर एवं सील का न होना</li> </ul>    Correct Answer :-   इस्ताक्षर एवं सील का न होना Correct Answer :- इस्ताक्षर एवं सील का न होना Correct Answer :-</ol>	1. इनमें से कोई नहीं
4. विचारों को  Correct Answer :- • विचारों को  32) भाषा ग्रहण करने की प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जो - 1. अस्थिर है 2. निरंतर चलती है 3. निश्चित अवधि तक चलती है 4. स्थिर है  Correct Answer :- • निरंतर चलती है  33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है? 1. ज्ञात से अज्ञात की ओर 2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर 3. सरल से जटिल की ओर 4. विशिष्ट से सामान्य की ओर Correct Answer :- • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है? 1. पत्र संख्या अतिवार्य होना 2. पत्र के अंगों का निश्चित कम 3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना 4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना Correct Answer :-	2. आस्था को
Correct Answer :- • विचारों को  32) भाषा ग्रहण करने की प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जो - 1. अस्थिर है 2. निरंतर चलती है 3. निश्चित अवधि तक चलती है 4. स्थिर है  Correct Answer :- • निरंतर चलती है  33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है? 1. ज्ञात से अज्ञात की ओर 2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर 3. सरल से जटिल की ओर 4. विशिष्ट से सामान्य की ओर Correct Answer :- • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निग्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है? 1. पत्र संख्या अनिवार्य होना 2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम 3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना 4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना Correct Answer :-	3. कर्तव्यों को
• विचारों को  32) भाषा ग्रहण करने की प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जो -  1. अस्थिर है  2. निरंतर चलती है  3. निश्चित अविध तक चलती है  4. स्थिर है  Correct Answer :-  • निरंतर चलती है  33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है?  1. ज्ञात से अज्ञात की ओर  2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर  3. सरत से जटिल की ओर  4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :-  • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित ख्यान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	4. विचारों को
32) भाषा ग्रहण करने की प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जो -  1. अस्थिर है  2. निरंतर चलती है  3. निश्चित अवधि तक चलती है  4. स्थिर है  Correct Answer :-  • निरंतर चलती है  33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है?  1. ज्ञात से अज्ञात की ओर  2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर  3. सरत से जटिल की ओर  4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :-  • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित रूथान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	Correct Answer :-
<ol> <li>अस्थिर है</li> <li>निरंतर चलती है</li> <li>स्थिर है</li> <li>टिपास्टर Answer :-         <ul> <li>निरंतर चलती है</li> </ul> </li> <li>अध्या में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कीन सी विधि अपनाता है?</li> <li>ज्ञात से अज्ञात की ओर</li> <li>स्थूल से सूक्ष्म की ओर</li> <li>सरल से जटिल की ओर</li> <li>विशिष्ठ से सामान्य की ओर</li> <li>वात से अज्ञात की ओर</li> <li>वात से अज्ञात की ओर</li> <li>पत्र मंं से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?</li> <li>पत्र संख्या अतिवार्य होना</li> <li>पत्र के अंगों का निश्चित क्रम</li> <li>निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना</li> <li>हस्ताक्षर एवं सील का न होना</li> <li>Correct Answer :-</li> </ol>	• विचारों को
<ol> <li>निरंतर चलती है</li> <li>निश्चित अवधि तक चलती है</li> <li>स्थिर है</li> <li>Correct Answer :-         <ul> <li>निरंतर चलती है</li> </ul> </li> <li>33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है?</li> <li>श्वात से अज्ञात की ओर</li> <li>स्थूल से सूक्ष्म की ओर</li> <li>सरल से जटिल की ओर</li> <li>विशिष्ठ से सामान्य की ओर</li> <li>Correct Answer :-         <ul> <li>श्वात से अज्ञात की ओर</li> </ul> </li> <li>4) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?</li> <li>पत्र संख्या अनिवार्य होना</li> <li>पत्र के अंगों का निश्चित क्रम</li> <li>निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना</li> <li>हस्ताक्षर एवं सील का न होना</li> <li>Correct Answer :-</li> </ol>	32) भाषा ग्रहण करने की प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जो -
3. निश्चित अवधि तक चलती है  4. स्थिर है  Correct Answer :-  िनरंतर चलती है  33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कीन सी विधि अपनाता है?  1. ज्ञात से अज्ञात की ओर  2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर  3. सरल से जटिल की ओर  4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :-  • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	1. अस्थिर है
4. स्थिर है  Correct Answer :-  • निरंतर चलती है  33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है?  1. ज्ञात से अज्ञात की ओर  2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर  3. सरल से जटिल की ओर  4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :-  • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	2. निरंतर चलती है
Correct Answer :- • निरंतर चलती है  33) कक्षा में राष्ट्रीय बिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है?  1. ज्ञात से अज्ञात की ओर  2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर  3. सरल से जटिल की ओर  4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :- • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	3. निश्चित अवधि तक चलती है
• निरंतर चलती है  33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है?  1. ज्ञात से अज्ञात की ओर  2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर  3. सरल से जटिल की ओर  4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :-  • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	4. स्थिर है
33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कीन सी विधि अपनाता है?  1. ज्ञात से अज्ञात की ओर  2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर  3. सरल से जटिल की ओर  4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :-  • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कीन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	Correct Answer :-
वह शिक्षण की कैंग्न सी विधि अपनाता है?  1. ज्ञात से अज्ञात की ओर  2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर  3. सरल से जटिल की ओर  4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :-  • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	• निरंतर चलती है
<ol> <li>स्थूल से सूक्ष्म की ओर</li> <li>सरल से जटिल की ओर</li> <li>विशिष्ट से सामान्य की ओर</li> <li>कात से अज्ञात की ओर</li> <li>निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?</li> <li>पत्र संख्या अनिवार्य होना</li> <li>पत्र के अंगों का निश्चित क्रम</li> <li>निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना</li> <li>हस्ताक्षर एवं सील का न होना</li> <li>Correct Answer :-</li> </ol>	
3. सरल से जटिल की ओर 4. विशिष्ट से सामान्य की ओर  Correct Answer :- • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है? 1. पत्र संख्या अनिवार्य होना 2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम 3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना 4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	1. ज्ञात से अज्ञात की ओर
<ul> <li>4. विशिष्ट से सामान्य की ओर</li> <li>Correct Answer :- <ul> <li>ज्ञात से अज्ञात की ओर</li> </ul> </li> <li>34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?</li> <li>1. पत्र संख्या अनिवार्य होना</li> <li>2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम</li> <li>3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना</li> <li>4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना</li> </ul> <li>Correct Answer :-</li>	2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर
Correct Answer :- • ज्ञात से अज्ञात की ओर  34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?  1. पत्र संख्या अनिवार्य होना  2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम  3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना  4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना  Correct Answer :-	3. सरल से जटिल की ओर
<ul> <li>• ज्ञात से अज्ञात की ओर</li> <li>34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?</li> <li>1. पत्र संख्या अनिवार्य होना</li> <li>2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम</li> <li>3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना</li> <li>4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना</li> <li>Correct Answer :-</li> </ul>	4. विशिष्ट से सामान्य की ओर
<ul> <li>34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?</li> <li>1. पत्र संख्या अनिवार्य होना</li> <li>2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम</li> <li>3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना</li> <li>4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना</li> <li>Correct Answer :-</li> </ul>	Correct Answer :-
<ol> <li>पत्र संख्या अनिवार्य होना</li> <li>पत्र के अंगों का निश्चित क्रम</li> <li>निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना</li> <li>हस्ताक्षर एवं सील का न होना</li> </ol> Correct Answer :-	• ज्ञात से अज्ञात की ओर
<ol> <li>पत्र संख्या अनिवार्य होना</li> <li>पत्र के अंगों का निश्चित क्रम</li> <li>निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना</li> <li>हस्ताक्षर एवं सील का न होना</li> </ol> Correct Answer :-	34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लाग नहीं होती है?
3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना 4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना Correct Answer :-	•
4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना Correct Answer :-	2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम
Correct Answer :-	3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना
	4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना
्र ट्रम्माथ्य गतं ग्रील का न टोना	Correct Answer :-
• 6/11/01/2 2/2 (2017) 4/1 1/1 (1) (1)	• हस्ताक्षर एवं सील का न होना

## 35) निम्न में से कौन-सी सामान्य प्रवृत्ति के रूप में छायावादी कविता में नहीं पायी जाती है?

- 1. व्यक्तिगत वेदनाओं की अभिव्यक्ति
- 2. बाह्य श्रृंगार का मांसल चित्रण
- 3. काव्य-शिल्प एवं सामाजिक रूढ़ियों के प्रति विद्रोह की भावना
- 4. प्रकृति का मानवीकरण

#### **Correct Answer:-**

• बाह्य श्रृंगार का मांसल चित्रण

## 36) निम्न में से किस प्रकार के पत्र में 'भवदीय' का प्रयोग किया जाता है?

- 1. औपचारिक पत्र
- 2. अनौपचारिक पत्र
- 3. समाचार पत्र
- 4. प्रश्न पत्र

#### **Correct Answer:-**

• औपचारिक पत्र

## 37) निम्न में से कौन-सी विशेषता प्रेमचंद के कहानियों में नहीं पायी जाती है?

- 1. जीवन की सच्चाई को चित्रित करती हैं।
- 2. भारतीय गाँवों का चित्रण आता है।
- 3. सर्वसामान्य की भाषा में लिखित हैं।
- 4. रोमेंटिक दृष्टिकोण से समृद्ध हैं।

#### **Correct Answer:-**

• रोमेंटिक दृष्टिकोण से समृद्ध हैं।

# 38) निम्न में से कौन-सी विशेषता जयशंकर प्रसाद के नाटकों की नहीं है?

- 1. इनकी कथा इतिहास पर आधारित होती है।
- 2. इनकी कथा पुराणों पर आधारित होती है।
- 3. अपनी संरचना में यह यथार्थवादी नाटक हैं।
- 4. उनके पात्रों का स्वतंत्र व्यक्तित्व होता है।

#### **Correct Answer:-**

- अपनी संरचना में यह यथार्थवादी नाटक हैं।
- 39) निम्नलिखित पंक्तियाँ किस छन्द की उदाहरण हैं? दूलह श्री रघुनाथ बने,दुलहीं सिय सुन्दर मंदिर मांहीं। गावित गीत सबै मिलि सुन्दिर, विप्र जुवा जुिर वेद पढ़ाहीं। राम को रूप निहारित जानकी ,कंकन के नग की परछाहीं। यातै सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाहीं।।
- 1. सुमुखी सवैया छन्द
- 2. मत्तगयन्द छन्द
- 3. किरीट सवैया छन्द
- 4. दुर्मिल सवैया छन्द

#### **Correct Answer:-**

• मत्तगयन्द छन्द

- 40) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन सा छन्द है? नैनों में अंगार भरो, कर में कटार धरो, बढ़ चलो बेटों तुम, बैरियों को मारने। धरती भी कहती है, गगन भी कहता है, अब तो हवा भी जैसे, लगी है पुकारने॥
- 1. लुप्पय लन्द
- 2. रूप घनाक्षरी छन्द
- 3. सवैया छन्द
- 4. घनाक्षरी छन्द

#### **Correct Answer:-**

- घनाक्षरी छन्द
- 41) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन सा छन्द है? हम कौन थे,क्या हो गये हैं और क्या होंगे अभी । आओ विचारें आज मिलकर, यह समस्याएं सभी ।।
- 1. त्रिभंगी छन्द
- 2. सरसी छन्द

Correct Answer :-				
• हरिगीतिका छन्द				
42) निम्नलिखित पंक्तियों ग	कौन-सा अलंकार है?			
कपि करि ह्रदय विचारि दीन्हि	मुद्रिका डारि तब ।			
जानि अशोक अंगार,सीय ह	षे उठि कर गहेउ ।।			
1. भ्रांतिमान अलंकार				
2. वीप्सा अलंकार				
3. संदेह अलंकार				
४. उदाहरण अलंकार				
Correct Answer :-				
भ्रांतिमान अलंकार				
ı. राष्ट्रपति	विज्ञापन के संदर्भ में आप	किसे शिकायती पत्र वि	लेखेंगें?	
1. राष्ट्रपति 2. पत्र के संपादक	विज्ञापन के संदर्भ में आप	किसे शिकायती पत्र ।	लेखेंगें?	
1. राष्ट्रपति 2. पत्र के संपादक 3. माता-पिता	विज्ञापन के संदर्भ में आप	किसे शिकायती पत्र 1	लेखेंगें?	
13) समाचार पत्र में भ्रामक 1. राष्ट्रपति 2. पत्र के संपादक 3. माता-पिता 4. अपने शिक्षक	विज्ञापन के संदर्भ में आप	किसे शिकायती पत्र 1	लेखेंगें?	
1. राष्ट्रपति 2. पत्र के संपादक 3. माता-पिता 4. अपने शिक्षक Correct Answer :-	विज्ञापन के संदर्भ में आप	किसे शिकायती पत्र (	लेखेंगें?	
1. राष्ट्रपति 2. पत्र के संपादक 3. माता-पिता 4. अपने शिक्षक Correct Answer :- पत्र के संपादक				
1. राष्ट्रपति 2. पत्र के संपादक 3. माता-पिता 4. अपने शिक्षक Correct Answer :- पत्र के संपादक				
<ol> <li>राष्ट्रपति</li> <li>पत्र के संपादक</li> <li>माता-पिता</li> <li>अपने शिक्षक</li> <li>Correct Answer :-</li> <li>पत्र के संपादक</li> <li>अंग्रे किसी सरकारी कार्यात</li> <li>कार्यालय सभापति</li> </ol>				
<ol> <li>राष्ट्रपति</li> <li>पत्र के संपादक</li> <li>माता-पिता</li> <li>अपने शिक्षक</li> <li>Correct Answer :-</li> <li>पत्र के संपादक</li> <li>कार्यालय सभापति</li> <li>कार्यालय सचीव</li> </ol>				
<ol> <li>राष्ट्रपति</li> <li>पत्र के संपादक</li> <li>माता-पिता</li> <li>अपने शिक्षक</li> <li>Correct Answer :-</li> <li>पत्र के संपादक</li> <li>कार्यालय सभापति</li> <li>कार्यालय सचीव</li> <li>कार्यालय अध्यक्ष</li> </ol>				
1. राष्ट्रपति 2. पत्र के संपादक 3. माता-पिता 4. अपने शिक्षक				

45) मुख्यार्थ पर बाधा होने पर रूढ़ी या प्रयोजन के कारण जिस शब्द शक्ति से मुख्यार्थ से सम्बंधित जो अन्य अर्थ लक्षित होता है, उसे कौन से शब्द शक्ति कहते हैं?
1. विरोधा शब्द शक्ति
2. लक्षणा शब्द शक्ति
3. व्यंजना शब्द शक्ति
4. अभिधा शब्द शक्ति
Correct Answer :-
• लक्षणा शब्द शक्ति
46) 'उसी का जूता उसी का सर', लोकोिक्त का अर्थ है -
1. जूता मारना ।
2. कई वार करना ।
3. किसी को उसी की युक्ति से मात देना।
4. पूरी ताकत से बदला चुकाना।
Correct Answer :-
• किसी को उसी की युक्ति से मात देना।
47) 'सुनना' भाषा विकास का निम्न चरण है:
<b>47) 'सुनना' भाषा विकास का निम्न चरण है:</b> 1. द्वितीय
1. द्वितीय
1. द्वितीय 2. प्रथम
1. द्वितीय 2. प्रथम 3. तृतीय
1. द्वितीय 2. प्रथम 3. तृतीय 4. चतुर्थ
1. द्वितीय 2. प्रथम 3. तृतीय 4. चतुर्थ  Correct Answer :-  • प्रथम
1. द्वितीय 2. प्रथम 3. तृतीय 4. चतुर्थ  Correct Answer :- • प्रथम  48) प्रोजेक्टर द्वारा आकृति को -
1. द्वितीय 2. प्रथम 3. तृतीय 4. चतुर्थ  Correct Answer :-  • प्रथम
1. द्वितीय 2. प्रथम 3. तृतीय 4. चतुर्थ  Correct Answer :- • प्रथम  48) प्रोजेक्टर द्वारा आकृति को - 1. सूक्ष्म रूप में दिखाया जाता है।
<ol> <li>प्रथम</li> <li>तृतीय</li> <li>चतुर्थ</li> <li>Correct Answer :-         <ul> <li>प्रथम</li> </ul> </li> <li>48) प्रोजेक्टर द्वारा आकृति को -         <ul> <li>स्क्ष्म रूप में दिखाया जाता है।</li> <li>छोटा करके दिखाया जाता है।</li> </ul> </li> </ol>
<ol> <li>1. द्वितीय</li> <li>2. प्रथम</li> <li>3. तृतीय</li> <li>4. चतुर्थ</li> <li>Correct Answer :-         <ul> <li>प्रथम</li> </ul> </li> <li>48) प्रोजेक्टर द्वारा आकृति को -</li> <li>1. सूक्ष्म रूप में दिखाया जाता है।</li> <li>2. छोटा करके दिखाया जाता है।</li> <li>3. पर्दे पर दिखाया जाता है।</li> </ol>

• पर्दे पर दिखाया जाता है।
49) "मुझे तोड़ लेना वनमाली !
उस पथ पर तुम दा फेक
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जावे वीर अनेक।" – यह पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
1. माखनलाल चतुर्वेदी
2. जयशंकर प्रसाद
3. रामधारी सिंह 'दिनकर'
4. सुभद्राकुमारी चौहान
Correct Answer :-
• माखनलाल चतुर्वेदी
50) "यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है।" किसने कहा है?
1. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. भारतेंदु द्विवेदी
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी
Correct Answer :-
• आचार्य रामचंद्र शुक्ल
51) गणितीय कौशल संबंधी विकार होता है:
1. पूर्ण अक्षर लिखना
2. समय-सारिणी बनाने में कठिनाई
3. अपठनीय हस्तलेखन
4. कागज को बहुत पास से पकड़ना
Correct Answer :-
• समय-सारिणी बनाने में कठिनाई
52) हिंदी साहित्य में 'हालावाद' का प्रवर्तक किसे माना जाता है?
1. सुमित्रानंदन पंत

	2. हरिवंशराय बच्चन
	3. रामधारी सिंह 'दिनकर'
	4. जानकी वल्लभ शास्त्री
	Correct Answer :-
	• हरिवंशराय बच्चन
	53) सही विकल्प बताएं –
	छन्द हीन रचना कहलाती है।
	1. प्रबंध
	2. पद्य
	3. गद्य
	4. गद्य गीत
	Correct Answer :-
	• गद्य
	54) सही विकल्प बताएं —
	इसके अंतर्गत विभिन्न सर्गों और स्कंधों में सृष्टि के प्रारम्भ और विकास की युग-युगांतरव्यापी कथा कही जाते है।
	1. चरित काव्य
	२. महाकाव्य
	3. पुराण 4. अपनाम
	4. आख्यान
	Correct Answer :-
	• पुराण
_	
	55)  सही विकल्प बतादये
	55) सही विकल्प बताइये इरिशंकर प्रसार्द ऐसे हिंटी के निबंधकार है जिन्होंने में उच्चकोटि के निबंधों की रचना की।
	हरिशंकर परसाई ऐसे हिंदी के निबंधकार है, जिन्होंने में उच्चकोटि के निबंधों की रचना की।
	हरिशंकर परसाई ऐसे हिंदी के निबंधकार है, जिन्होंने में उच्चकोटि के निबंधों की रचना की।  1. व्यंग्यात्मक शैली
	हरिशंकर परसाई ऐसे हिंदी के निबंधकार है, जिन्होंने में उच्चकोटि के निबंधों की रचना की।  1. व्यंग्यात्मक शैली  2. विरोधाभास शैली
	हरिशंकर परसाई ऐसे हिंदी के निबंधकार है, जिन्होंने में उच्चकोटि के निबंधों की रचना की।  1. व्यंग्यात्मक शैली  2. विरोधाभास शैली  3. द्वंद्वात्मक शैली
	हरिशंकर परसाई ऐसे हिंदी के निबंधकार है, जिन्होंने में उच्चकोटि के निबंधों की रचना की।  1. व्यंग्यात्मक शैली  2. विरोधाभास शैली

• व्यंग्यात्मक शैली

56) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबिक एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

'हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते' – इस कथन का आशय क्या है?

- 1. उसको वह स्वतंत्रता प्राप्त नहीं होती
- 2. वह निरपेक्ष नहीं होता
- 3. उसमें दायित्व बोध नहीं होता
- 4. स्वतंत्रता का अधिकारी नहीं है

#### **Correct Answer:-**

• उसमें दायित्व बोध नहीं होता

57) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

- 1. अधिकार और कर्तव्य
- 2. गाने की स्वतंत्रता
- 3. स्वतंत्रता का स्मरण
- 4. स्वतंत्रता का अधिकार

#### **Correct Answer:-**

• अधिकार और कर्तव्य

58) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो

मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

### किन स्थितियों में हमें लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है?

- 1. जब गीत हिंदी में हो
- 2. जब हमारी आवाज सुरीली हो
- 3. जब हमारे गाने से किसी को तकलीफ न हो
- 4. जब मोटर चलने का आज्ञापत्र हो

#### **Correct Answer:-**

• जब हमारे गाने से किसी को तकलीफ न हो

59) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबिक एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

# किन स्थितियों में स्वतंत्रता स्वेच्छाचारी और उच्छृंखलता में बदल जाती है?

- 1. एक सीमा पार करने के बाद
- 2. आज्ञापत्र प्राप्त करने के बाद
- 3. निरपेक्ष भाव के कारण
- 4. बाधाओं के कारण

#### **Correct Answer:-**

• एक सीमा पार करने के बाद

60) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबिक एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

स्वतंत्रता के साथ कौन-सा प्रश्न जुड़ा होता है?
1. अधिकार
2. दायित्व
<ul><li>3. उच्छृंखलता</li><li>4. निरपेक्षता</li></ul>
4. निरपेक्षता
Correct Answer :-
• दायित्व